भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1691

गुरुवार, 13 मार्च, 2025/22 फाल्गुन, 1946 (शक)

नौकरियों पर एआई का प्रभाव

1691 श्री ए. ए. रहीम:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार विस्थापन पर एआई के प्रभाव का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि नहीं, तो क्या सरकार अध्ययन कराने के लिए तैयार है;

(ग) एआई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के कारण निजी क्षेत्र में होने वाले नौकरियों के नुकसान को रोकने या कम करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं; और

(घ) क्या सरकार ने एआई के उपयोग की निगरानी और विनियमन के लिए कोई ढांचा बनाया है या प्रस्तावित किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इससे बेरोजगारी का संकट न बढ़े**?**

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (घ): नैसकॉम की अगस्त 2024 में प्रकाशित "एडवांसिंग इंडियाज एआई स्किल्स" रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एआई प्रतिभा 6 लाख-6.5 लाख पेशेवरों के वर्ष 2022-27 तक 15 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से 12.50 लाख से अधिक बढ़ने की उम्मीद है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से डेटा साइंस, डेटा क्यूरेशन आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन होगा। अब तक, एआई/बिग डेटा एनालिटिक्स प्रौद्योगिकियों में 3.20 लाख अभ्यर्थियों सहित 8.65 लाख अभ्यर्थियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन/प्रशिक्षण लिया है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने नैसकॉम के साथ संयुक्त रूप से "फ्यूचरस्किल्स प्राइम" नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित 10 नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में रोजगार के लिए आईटी जनशक्ति का रि-स्किलिंग/अप-स्किलिंग करना है।

इसके अलावा, एमईआईटीवाई ने "नेशनल एआई पोर्टल" (https://indiaai.gov.in/) लॉन्च किया है, जो एआई से संबंधित पहलों, अकादमिक अनुसंधान, स्टार्टअप, नीतिगत विकास और थॉट लीडरशिप संबंधी लेखों का व्यापक संग्रह है। पोर्टल नैतिक एआई, तकनीकी प्रगति और उद्योगजगत के रुझानों जैसे विषयों पर वेबिनार और ऑनलाइन सत्र भी आयोजित करता है।

*****